शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग..)

प्राणीशास्त्र – विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन

2021– 22

प्राणीशास्त्र– विभाग

प्राणीशास्त्र विभाग

वार्षिक प्रतिवेदन 2021– 22

1. स्थापना वर्ष - स्नातक 1957, स्नातकोत्तर 1982 .

2. विशेषता क्षेत्र– स्नातक, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र, स्नातक औधोगिक मत्स्य एवं मत्स्यकी ।

3. संचालित विषय :– स्नातक, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र, स्नातक औधोगिक मत्स्य एवं मत्स्यकी स्तर पर विषय का अध्यापन किया जाता है |

4. विभिन्न विषयों में आबंटित छात्र संख्या :–

ब्सें	प्दजांम बंचंबपजल	।चचसपबंजपवद त्मबमपअमक	।कउपजजमक
B.Sc. I	440	**2**193	380
B.Sc. II	440	374	374
B.Sc. III	440	334	334
M.Sc. Previous	20	824	20
M.Sc. Final	20	17	17

5. स्वीकृत पद की संख्या 07 01 प्राध्यापक एवं 06 सहायक प्राध्यापक

6. **कार्यरत शिक्षक की संख्या**– 06 - 4 नियमित , 3 अतिथि सहायक प्राध्यापक

पद	संख्या	शिक्षक का नाम	वर्ग
सहायक प्राध्यापक	04	1 श्रीमतीउषा ठाकुर	अनु.जनजाति
		2.डॉ मेजर किरण लता दामले	अनु.जाति
		3. डॉ. संजय ठिसके	सामान्य
		4. डॉ. माज़िद अली	सामान्य
अतिथि प्राध्यापक	03	1. महेश कुमार लाडेकर	अनु.जाति
		2 रुपाली पांडे	सामान्य
		3 चेतन कुमार पटेल	सामान्य

पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- **पाठ्यक्रम योजना एवं कार्यान्वयन :-**

अधययन मंडल की बैठक दिनांक 31.07.21-22 को सम्पन्न हुई |

बैठक में बी.एस. सी. प्राणीशास्त्र का पाठ्यक्रम हेमचंद यादव दुर्ग वि.वि. के अनुसार यथावत रखा गया |

- बैठक में बी.एस.सी. ओधोगिकी मत्स्य एवं मा त्स्यिकी का पाठ्यक्रम गतवर्षानुसार यथावत रखा गया |

- स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र का के पाठ्यकम गत वर्षानुसार यथावत रखा गया |

- **पाठयक्रम पुनरावलोकन तिथि :-** 31.07.2022 को पाठयक्रम पुनरावलोकन पाठ्यक्रम समिति की बैठक में निम्लिखित सदस्य सम्मलित हुए |

  - डॉ. सीमा गुप्ता : लाइफ साइंस विभाग पं, रवि,वि,वि, रायपुर
  - डॉ. निसरीन हुसैन : शासकीय महिला महाविधायलय दुर्ग
  - प्रो . महेंद्र मेश्राम : शासकीय महिला महाविधायलय राजनंदगांव
  - ललिता साहू : भूतपूर्वछात्रा
  - समस्त विभागीय प्राध्यापक

मासिक शैक्षणिक योजना :- प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों के द्वारा स्वयं की दैनंदिनी में वार्षिक एवं मासिक शैक्षणिक योजना तैयार की जाती है |

- **पाठयक्रम समृद्धिकरण :-**

  स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं को नेट सेट तथा पी.एस.सी. की कोचिंग व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के लिए स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं को नेट स्लेट की कोचिंग तथा पी.एस.सी. व विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा के लिए ऑनलाइन कोचिंग कक्षाये आयोजित की गयी |

- **फीडबैक छात्र छात्राएं:-** विभाग द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर के छात्र छात्राओं का फीडबैक लिया जाता है |

- **शिक्षण शिक्षण पद्वति** :- एल.सी. डी., ओव्हरहेड प्रोजेक्टर, कम्प्युटर एवं इन्टरनेट के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाए संचालित की गयी है |

  प्राणीशास्त्र विभाग के प्राध्यापकों ने कोविड –19 की समस्या में शासन के दिशा निर्देशों के अनुसार अपने समस्त शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक कार्य ऑनलाइन के माध्यम में जारी रखे | प्राचार्य डा. बी. एन. मेश्राम के कुशल मार्गदर्शन में और विभागाध्यक्ष श्रीमती उषा ठाकुर, श्रीमती किरण लता दामले, डॉ. संजय ठिसके, डॉ. माजिद अली के सम्मलित प्रयास से विभाग में कई कार्यक्रम सम्पन्न हुए , जिसकी जानकारी निम्नानुसार है |

प्राणीशास्त्र परिषद् का गठन :- प्राणीशास्त्र परिषद् का गठन दिनांक 15.09.2021 को गुणानुक्रम के आधार पर किया गया |

अध्यक्ष - आरती वर्मा

उपाध्यक्ष - मानसी निर्मलकर
सचिव - नन्दिनी लदेर
सह सचिव – वंदना साहू

को नियुक्त किया गया | छात्र परिषद का मुख्य कार्य विभागीय गतिविधि में सहयोग देना और विषय संबंधित विभिन्न कार्यकम का आयोजन करना |

2. अतिथि व्याख्यान सम्पन्न :- विभाग में छात्र छात्रओं के विशय संबधित ज्ञानवर्धन सत्र 2022 में कुल 6 अतिथि व्याख्यान एवं 10 अंर्तविभागिय अतिथि व्याखन आयोजित किये गये। इसी कम में विभागिय प्राध्यापकों ने दूसरे अन्य विभागों में जाकर अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किये।

क्रं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजन दिनांक	विषय विशेषज्ञवक्ता का नाम/	उपस्थिति	
				स्टाफ	विद्यार्थी
1	01.02.202	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	डॉमाइक्रोबायोलॉजी .प्रा.प्रियंका साहू अ. .	07	30
2	01.02.202	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	मोहित कुमार साहू अवनस्पतिशास्त्र .प्रा.	07	30
3	02.02.202	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	कौशल कुमार साहू अबायोटेक्नोलॉजी .प्रा.	07	30
4	02.02.202	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	रिया ठाकुर अवनस्पतिशास्त्र .प्रा.	07	32
5	12.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	गोकुल राम निषाद सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र.	07	31
6	14.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	विकास कॉंडे सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र .	07	31
7	14.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	कुरसायनशास्त्र .प्रा.भारती यारदा अ .	07	31
8	15.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	डॉ .प्रियंका सिंह सहा .प्राध्यापक रसायनशास्त्र	07	29
9	16.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	डॉ प्राध्यापक .त्रिलोक कुमार देव सहा . वनस्पतिशास्त्र	07	30
10	17 02.2022.	अतिथि व्याख्यान	श्री आलोक जोशी सहा कमला देवी ,प्राध्यापक . राजनांदगांव ,महिला महाविद्यालय	07	30
11	18 02.2022.	अतिथि व्याख्यान	श्री आलोक जोशी सहा कमला देवी ,प्राध्यापक . राजनांदगांव ,महिला महाविद्यालय	07	30
12	19.02.2022	अतिथि व्याख्यान	डॉ ,प्राध्यापक .कन्नोजे सहा .आर.एस . राजनांदगांव .विज्ञान महावि .प्राणीशास्त्र शा	07	37
13	21.02.2022	अतिथि व्याख्यान	डॉ ,प्राध्यापक .कन्नोजे सहा .आर.एस . राजनांदगांव .विज्ञान महावि .प्राणीशास्त्र शा	07	37
14	22.02.2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	श्रीमती रीमा साहू सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र .	07	30
15	23-02-2022	अतिथि व्याख्यान	रेणुका ठाकुर सहा ,प्राध्यापक .प्राणीशास्त्र शा . डोंगरगांव .महावि .ए.बी	07	37

16	24-02-2022	अतिथि व्याख्यान	रेणुका ठाकुर सहा .प्राणीशास्त्र शा ,प्राध्यापक . डोंगरगांव .महावि .ए.बी	07	37
17	24-02-2022	अंतर्विभागीय अतिथि व्याख्यान	रोहिणी समरित अकम्प्युटर विज्ञान .प्रा.	07	30

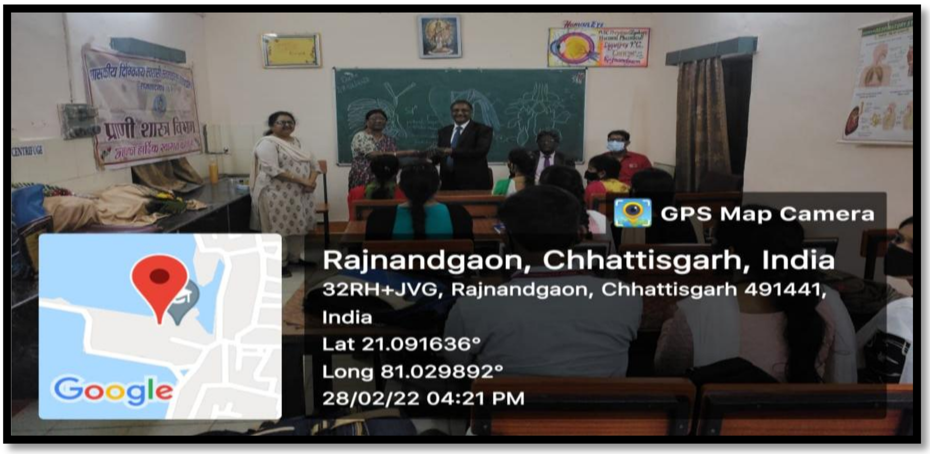

डॉ चंदेलकर आर.पी .पंचवेली स्नातकोत्तर महा.छिन्द्वाडा ,परासिया .

श्री आलोक जोशी, सहा.प्राध्यापक, कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय, राजनांदगाँव. (छ.ग.)

डॉ. एस आर कन्नोजे, सहा.प्राध्यापक, विज्ञान महाविद्यालय राजनांदगाँव. (छ.ग.)

कु.
रेणुका ठाकुर सहा.प्राध्यापक, .प्राणीशास्त्र शा ,प्राध्यापक .बीडोंगरगांव .महावि .ए.

अंर्तविभागीय अतिथी व्याख्यान

गोकुल राम निषाद सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र .

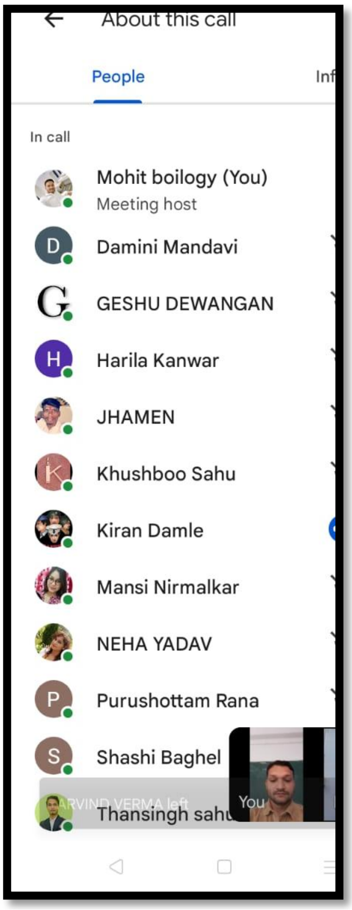

मोहित कुमार साहू अवनस्पतिशास्त्र .प्रा.

विकास काँडे सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र .

श्रीमती रीमा साहू सहाप्राध्यापक रसायनशास्त्र .

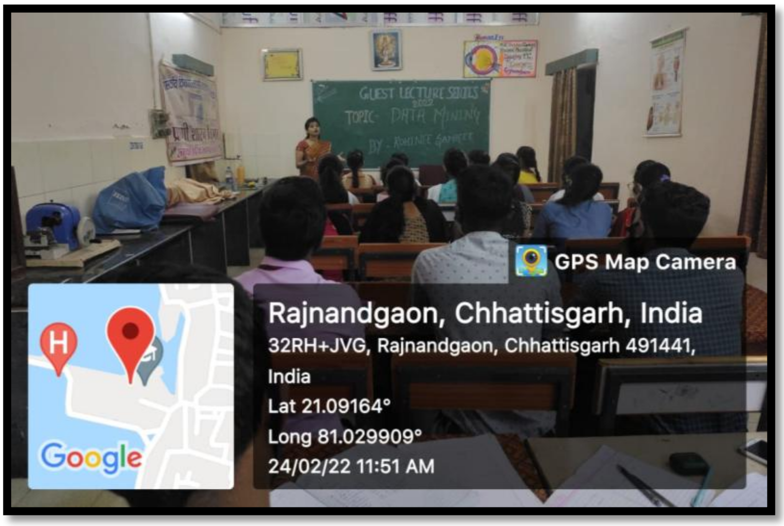

रोहिणी समरित अकम्प्युटर विज्ञान .प्रा.

03. **विश्व विधार्थी दिवस:-** दिनांक 15.10.**2021** डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिवस के अवसर पर प्राणीशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर के विधार्थीयों द्वारा दिनांक 15.10. 2021 को विश्व विधार्थी दिवस ऑनलाइन मनाया गया | इस कार्यक्रम में विभाग के विधार्थीयों द्वारा प्राणीशास्त्र विषय की आधुनिक शोध कार्यो एवं विज्ञान कि समसमायिक धटनाऑ पर शिक्षकों ने अवगत कराया |

04. **विश्व एड्स दिवस :-** दिनांक 02.12.20 को विश्व एड्स दिवस प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा ऑनलाइन विश्व एड्स दिवस मनाया गया |

05. **विज्ञान दिवसः-** दिनांक 28.02.21 को महाविद्यालयके विज्ञान संकाय द्वारा महाविद्यालय स्तर पर ऑनलाइन विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया । प्राणीशास्त्र विभाग के छात्र छात्राओ की सहभागिता इसमे प्रमुख रूप से रही |

06. शिक्षक अविभावक सम्मलेन :

दिनांक **04.02.2022** को शिक्षक अविभावक सम्मलेन का आयोजन किया गया जिसमे विभाग के छात्र छात्राओ के पालक ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मलित हुए | इस कार्यक्रम में पालकों के सुझाव को पूरा करने का निणर्य लिया गया | विभागीय प्राध्यापकों के द्वारा ली गयी ऑनलाइन कक्षाओ एवं मार्गदर्शन को पालकों ने एक सराहनीय व महत्वपूर्ण कदम बताया साथ ही वह ऑनलाइन कक्षाओ से संतुष्ट थे | प्राचार्य डॉ. बी.एन.मेश्राम जो इस ऑनलाइन शिक्षक अविभावक सम्मलेन में उपस्थित थी पालको से अपनी सहमति जाहिर की और उन्हें आशवस्त करते हुए जानकारी दी कि शासन और विश्वविद्यालय से जैसे ही दिशा निर्देश प्राप्त होते उस पर अमल करते हुए उन्हें तत्काल लागु किया जायेगा |

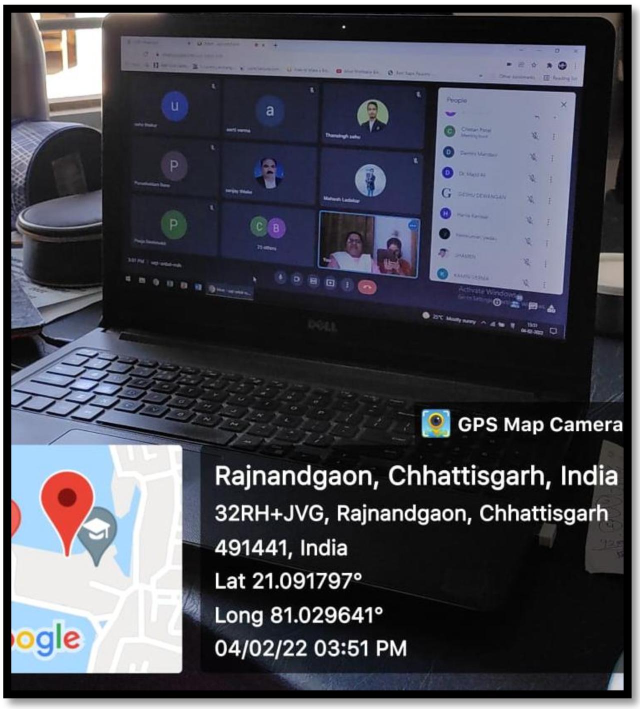

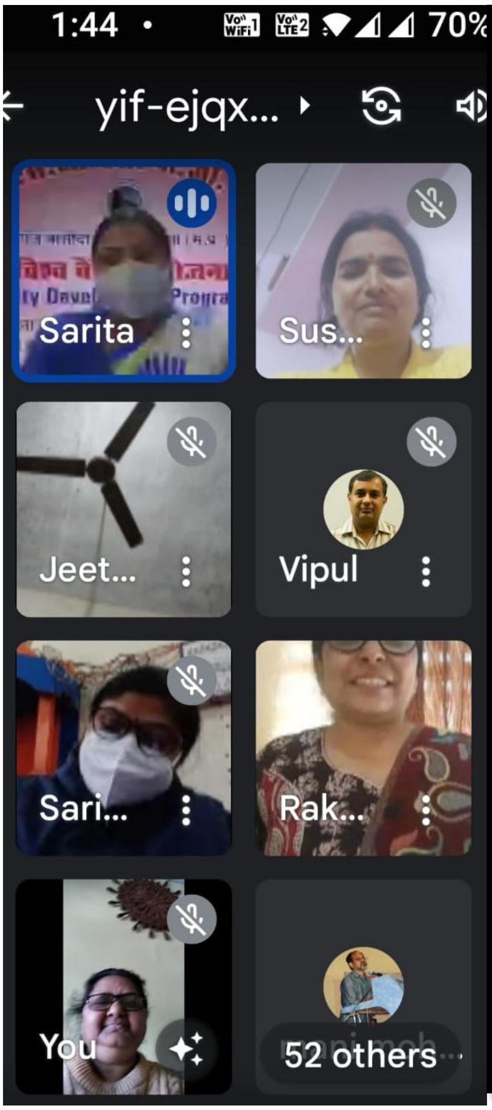

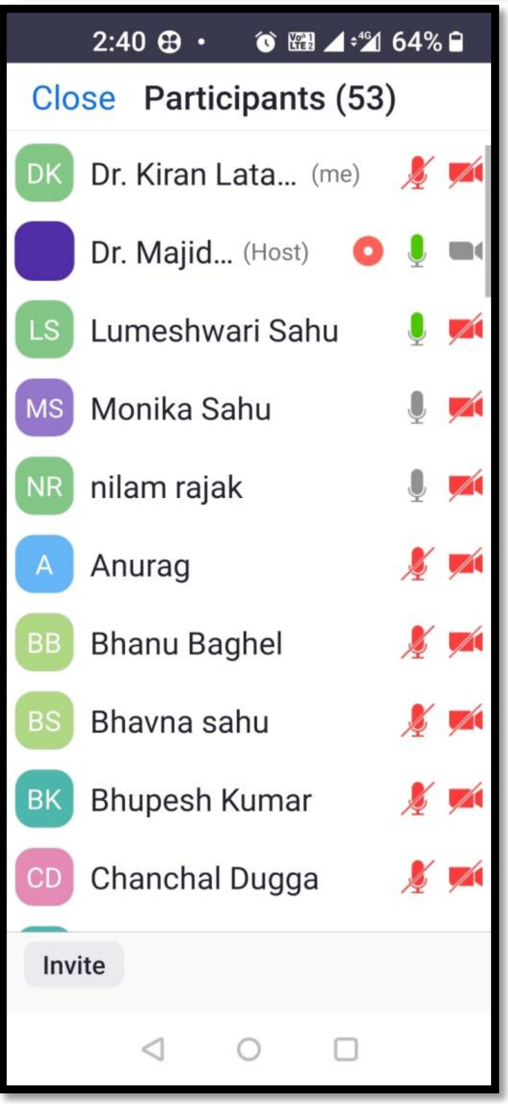

07. विज्ञान दिवस में विभाग की उपलब्धियां : प्रतिवर्ष 28 फरवरी को महाविद्यालय में डा. रामानुजन की स्मृति में विज्ञान दिवस का आयोजन किया जाता है जिसमें विज्ञान से जुडी कई

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है इन प्रतियोगिताओं में विज्ञान संकाय के स्नताकोत्तर कक्षाओं के समस्त छात्र छात्राएं भाग लेते है इस वर्श 2022 को संपन्न हुये विज्ञान दिवस में विभाग के छात्र थान सिंह वर्मा ने पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, अंर्तविभागिय सेमिनार प्रतियोगिता में द्वितिय व तात्कालिक भाशण प्रतियोगिता में तृतिय स्थान प्राप्त किया।

08. विस्तार गतिविधियां एवं सामाजिक दायित्व : विभाग के छात्र थान सिंह के द्वारा पक्षी संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृश्ट कार्य किया गया। जो विभाग के प्रत्येक छात्र के लिये प्रेरणस्त्रोत बना। इस महत्वपूर्ण विशय को घ्यान में रखते हुये विभागिय प्राध्यापको और एम.एस.सी प्राणीशास्त्र के छात्रों के द्वारा दिनांक 27 से 28.03.2022 तक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य डा. के.एल. टांडेकर उपस्थित थे। इस कार्यषाला में छात्रों ने पुरानी उपयोग में न आने वाल वस्तुएं जैसे नारियल का बुच, पुराने पुठ्ठे, पुराने बोरे एवं बांस की खपचियों से छोटी पक्षी गौरेया के लिये घोंसला बनाना सिखा। और इन घोंसलों को महाविद्यालय के विभिन्न स्थानोंा पर लगाया। छात्र इन घोंसलों को अपने गांवों में भी लगा रहे है और ग्रमीणें को पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूक भी कर रहे है।

23 अप्रैल 2022 को विस्तार गतिविधि के अंर्तगत डॉ. संजय ठिसके एवं डॉ. माजिद अली के द्वारा शास.उ.मा. शाला, हरदी मे घोंसला निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों ने पुरानी उपयोग में न आने वाल वस्तुएं जैसे नारियल का बुच, पुराने पुठ्ठे, पुराने बोरे एवं बांस की खपचियों से छोटी पक्षी गौरेया के लिये घोंसला बनाना सिखा। छात्र इन घोंसलों को अपने गांवों में भी लगा रहे है और ग्रमीणें को पक्षी संरक्षण के प्रति जागरूक भी कर रहे है।

विस्तार - गतिविधि
दिनाँक-30.3.22

प्राणीशास्त्र विभाग

प्राणीशास्त्र विभाग
प्राणीशास्त्र विभाग
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.09178°
Long 81.029737°
01/04/22 02:14 PM
Google

N.C.C
BOY'S
शासकीय दिग्विजय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव (छ.ग.)
प्राणीशास्त्र विभाग
कार्यक्रम :-
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091399°
Long 81.030582°
01/04/22 02:25 PM
Google

GPS Map
Camera Lite
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Latitude
21.09187019°
Longitude
81.03041598°
Local 04:35:48 PM
GMT 11:05:48 AM
Altitude 247.33 meters
Thursday, 31-03-2022

GPS Map
Camera Lite
32RJ+H58, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Latitude
21.09188526°
Longitude
81.03043847°
Local 04:35:25 PM
GMT 11:05:25 AM
Altitude 244.92 meters
Thursday, 31-03-2022

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा

Rajdhani - 04 Apr 2022 - 04raj3

विद्यार्थियों ने शुरू किया पक्षी बचाओ अभियान

नारियल बूच, कमची व पुराने बोरे से बनाए घोंसले

■ नवभारत ब्यूरो | रायपुर.
www.navabharat.news

सीमेंट से बनते आधुनिक मकान, प्रदूषण की समस्या, वनों का कम होना और बदलता वातावरण कुछ ऐसी समस्यायें हैं, जिससे न केवल मनुष्य जीवन प्रभावित हुआ है, बल्कि हमारा पारिस्थितिकीय तंत्र भी असंतुलित हो रहा है. इसका सीधा असर पारिस्थितिकी तंत्र की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी पक्षियों पर देखने को मिल रहा है. पक्षियों की कम होती संख्या, उसके प्रजनन काल में उसे सही आश्रय मिले और उसके अंडे परभक्षियों से सुरक्षित रहे, इस हेतु शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगांव के एमएससी प्राणीशास्त्र के विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर के निर्देशन में विभागीय शिक्षकों के साथ मिलकर पक्षी बचाओ-पर्यावरण बचाओ मुहिम शुरू की है. इस अभियान के तहत प्राणीशास्त्र विभाग ने 30 व 31 मार्च को वर्कशाप आयोजित की, जिसमें उन्होंने पक्षियों विशेष रूप से गौरैया (वैज्ञानिक नाम- पैसर डोमेस्टिकस) के लिये कृत्रिम घोंसला बनाने का प्रशिक्षण लिया. कार्यशाला में 35 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया. इस अभियान के मुख्य सचेतक एमएससी पूर्व के छात्र थान सिंह ने बताया कि इसके निर्माण में किसी भी प्रकार का आर्थिक खर्च नहीं होता. इसके लिए नारियल का बूच, बांस की कमचियों, पुराना बोरा व कुछ पुट्ठे की आवश्यकता होती है. तैयार किये गये घोंसलों को छात्रों ने महाविद्यालय के ऐसे स्थान पर लगाया, जहां पक्षी की तादाद ज्यादा थी. इन घोंसलों को छात्रों ने अपने गांवों के वृक्षों पर भी लगाया और ग्रामीणों को इसके महत्व के बारे में बताया.

निरंतर जारी रहेगा यह अभियान

अब छात्रों को उस दिन का इंतजार है जब पक्षी इस घोंसलों को अपना कर अपने अंडे उसमें देंगे. इनका ब्रिडिंग मौसम मध्य जनवरी से अप्रैल का होता है. इसलिये ये घोसले अभी तैयार किए गए हैं. ताकि जनवरी आते-आते ये इन कृत्रिम घोसलों में अपनी बसाहट को निश्चित कर सकें. विभागाध्यक्ष श्रीमती उषा ठाकुर ने बताया कि विभाग के छात्रों और शिक्षकों के सहयोग से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा. इसे विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में पक्षी और पर्यावरण सुरक्षा के लिये जागरूकता बढ़ाने संचालित किया जाता रहेगा.

दैनिक भास्कर

भिलाई भास्कर 18-04-2022

वन्य जीव संरक्षण • दिग्विजय कॉलेज के छात्र ने बचपन से ये काम करने की ठानी, अब मिल रहा सहयोग

गौरैया का घोसला बनाने 500 लोगों को दी ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर | भिलाई

गौरैया के संरक्षण के लिए दिग्विजय कॉलेज में एमएससी का छात्र थान सिंह साहू न केवल खुद घोसला बना रहा है, बल्कि इसका प्रशिक्षण भी कॉलेज के साथियों को दे रहा है। उसकी इस मुहिम में आज कॉलेज के सभी छात्र-छात्राएं हैं ही बल्कि पूरा शैक्षणिक स्टाफ मदद कर रहा है।

गौरैया का घोसला बनाता कॉलेज का छात्र थान सिंह।

थान सिंह जब छोटा था तो देखता था कि गांव में अधिकांश घर खपरैल के हैं। इसमें चिड़िया घोसला बनाती है। इसमें रहने के लिए गौरैया और मैना आते थे। समय के साथ साथ घरों में छत ढलने लगे। इसमें चिड़ियों के घोसले का स्थान नहीं रहा। इससे चिड़ियों की गतिविधियां कम होने लगी। इस पीड़ा को थान सिंह ने समझा। वर्ष 2013 में 11वीं कक्षा की पढ़ाई करते समय पहली बार घोसला बनाया। उसे ऐसे स्थान पर रखा, जहां चिड़िया आ सके, लेकिन देखा छोटी चिड़िया के साथ एक बड़ी चिड़िया भी आ गई। उसे देखकर छोटी चिड़िया डर कर चली गई, लेकिन बड़ी चिड़िया भी उस घोसले में नहीं रह पाई क्योंकि घोसले का आकार छोटा था। बाद में थोड़ा बड़ा घोसला बनाया। इसका सकारात्मक असर दिखाई दिया।

चिड़िया संरक्षण की बात पर मजाक उड़ाया गया

थान सिंह ने बताया कि जब मैं छोटा था और चिड़िया के संरक्षण की बात करता था तो गांव में मेरा मजाक उड़ाते थे। कुछ लोगों ने ताने भी मारे। कहा कि गौरैया चिड़िया को बचा के क्या होगा। फिर भी हार नहीं मानी, मैंने चिड़िया का घोसला बनाने की तकनीकी बारीकी से समझी। फिर उसी तरीके से तिनके जुटाकर घोसला बनाया। इसके मुंह को चिड़िया के घुसने के अनुकूल बनाया, ताकि उसे घोसला में आने, जाने और रहने में दिक्कत ना हो। अब बात लोग समझ रहे हैं।

प्राणी विज्ञान की पढ़ाई से जानने में मिली मदद

उन्होंने बताया कि चिड़िया के विज्ञान के समझने और लोगों को इसके बारे में समझाने के लिए ही प्राणी विज्ञान की पढ़ाई कर रहा हूं। पढ़ाई के दौरान मैंने पारिस्थितिक तंत्र को पढ़ा। इसमें चिडियों के महत्व को समझा और लोगों को समझाया। इसमें विभागाध्यक्ष डॉ. माजिद अली और प्राचार्य डॉ. केएल तांडेकर का भी सहयोग मिला तो अन्य साथी भी जुड़ने लगे। आज हमारे एनएसएस का यह एक महत्वपूर्ण अंग है। गौरैया संरक्षण को लेकर सब मिलकर काम कर रहे हैं।

शास.उ.मा. शाला, हरदी मे घोंसला निर्माण कार्यशाला

LUMPS
PRODUCERS
HARMED
USAGE

BIOLOGY
COMMERCE
TAKE NOTES
REVIEW NOTES
EDUCATION PROCESS
READ MATERIALS
LISTEN TOINSTRUCTOR

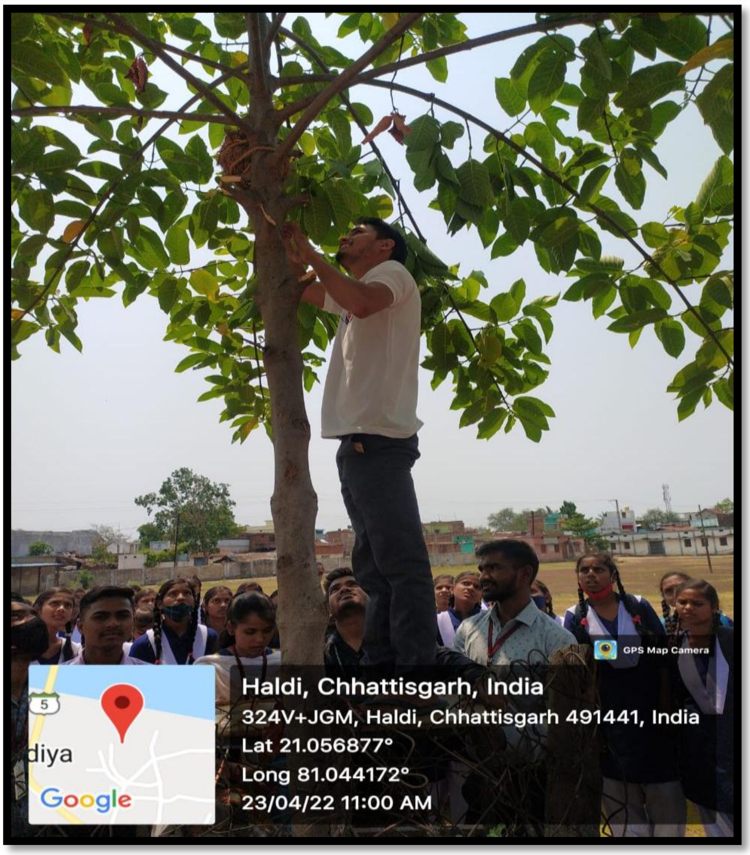
GPS Map Camera
Haldi, Chhattisgarh, India
324V+JGM, Haldi, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.056877°
Long 81.044172°
23/04/22 11:00 AM
Google

दैनिक भास्कर राजनांदगांव 25-04-2022

भिलाई-राजनांदगांव, सोमवार 25 अप्रैल, 2022 | 16

पक्षियों के संरक्षण के लिए अभियान कृत्रिम घोंसला बनाना सिखाया गया

इसे लगाने का तरीका भी बताया, कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज़ | राजनांदगांव

पक्षियों के संरक्षण के लिए दिग्विजय कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर अभियान के अंतर्गत कृत्रिम घोंसला निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर छात्र-छात्राओं को बताया जा रहा है कि पक्षियों का संरक्षण किस लिए जरूरी है और संरक्षण की दिशा में क्या-क्या काम किए जा सकते हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दी में विद्यार्थियों को पक्षियों के महत्व, इनके संरक्षण की महती आवश्यकता और हमारे जीवन कि निर्भरता को बच्चों के सामने स्पष्ट किया गया।। प्रत्यक्ष प्रस्तुतिकरण द्वारा घोंसले के ढांचे निर्माण की वैज्ञानिक विधि बताई गई जो कि पूर्णतः बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट पर आधारित था। यहां सामग्री एकत्र, ढांचा निर्माण से लेकर उसे लगाने तक की पूरी जानकारी दी गई।

राजनांदगांव. विद्यार्थियों को घोंसला बनाने की सीख दी गई।

शिक्षकों ने हाथ बंटाया

इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी अपने हाथ बंटाए। जहां 70 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। पूरे प्रशिक्षण कार्य एवं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ संजय ठिसके के साथ एमएससी के स्टूडेंट आरती वर्मा, हेमीन सिन्हा, अरविंद वर्मा, मिथलेश चंद्रवंशी, नीतराम, भूषण कुमार एवं प्रकृति मितान थानसिंह ने किया।

दूर हो रहे हैं पक्षी

अभियान के तहत बताया गया कि बदलते मौसम और पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान की वजह से पक्षियों की संख्या कम हो रही है। पहले घरों के आसपास या फिर घर के भीतर में पक्षी घोसला बनाकर रहते थे पर विडंबना है कि यह दौर खत्म सा हो गया है। पक्षी हमसे दूर जा रहे हैं, जबकि पक्षियों का मानव जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है।

09. विश्व वन्य जीव दिवस :— विश्व वन्य जीव दिवस 03.03.2022 के दिन डॉ. एल.के. नागपुरकर रसायनशास्त्र के द्वारा वन्य जीव संरक्षण पर व्याख्याान दिया गया।

प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा विश्व जैव विविधता दिवस वर्ल्ड बायोडायवर्सिटी-डे मनाया गया

राजनांदगांव (टावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा 22 मई को विश्व जैव विविधता दिवस वर्ल्ड बायोडायवर्सिटी डे मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा की प्राकृतिक संसाधनों पर केवल मनुष्य का ही नहीं, बल्कि सभी जीव जंतुओं का समान रूप से अधिकार है।

अतः वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों के संरक्षण के साथ विकास हो, इसके लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट की अवधारणा ही भविष्य को सुरक्षित सुरक्षित तथ जीव जंतुओं एवं प्रकृति को संरक्षित कर सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राणी शास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीमती उषा ठाकुर ने विद्यार्थियों को प्रकृति के संरक्षण का महत्व समझाया तथा जानकारी दी की विभाग द्वारा पक्षियों को बचाने हेतु घोसला निर्माण को एक जन अभियान बनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. माजिद अली ने बताया कि प्रकृति का प्रत्येक जीव चाहे वह सुक्ष्म बैक्टीरिया हो या विशाल पेड़ अथवा विशाल जंतु जैसे शेर हाथी व्हेल आदि अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनमें से एक भी जीव के नष्ट होने से इकोसिस्टम का संतुलन बिगड़ जाता है। वाईल्ड लाईफ फंड की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्ष में 3000 से अधिक प्रजातियां नष्ट हो चुकी है। इकोसिस्टम के असंतुलन का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के स्नातक [illegible] विद्यार्थियों द्वारा हसदेव अरण्य संरक्षण अभियान पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

धान सिंह एवं उसके साथियों द्वारा प्रस्तुत नटक में दर्शाया गया के हसदेव नदी क्षेत्र के वनों की कटाई से लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर के वन तथा वन्यजीवों की हानि होगी। जिससे हाथियों तथा अन्य जीवो का मनुष्यों के साथ संघर्ष पड़ेगा। अंततः हानि पारिस्थितिकी तंत्र को होगी। इस कार्यक्रम में डॉ. किरण लता दामले, डॉ. एचएस भाटिया, डॉ. संजय ठिस्के, चिरंजीव पांडे तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित थे।

10. शैक्षणिक भ्रमण :– 21 से 23 मार्च 2022 को एम.एस.सी. के छात्र छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के लिए विशाखापट्टनम ले जाया गया। जहा विद्यार्थीयो ने प्रवासी पक्षीयों का अध्ययन, जैव विविधता, समुद्री मछलियों के संवर्धन एवं समुद्री पक्षीयो की जानकारी एवं अध्ययन संबंधित स्थानो का भ्रमण किया।

विशाखपट्टणम
GATE
2
प्राणीशास्त्र विभाग
शैक्षणिक भ्रमण

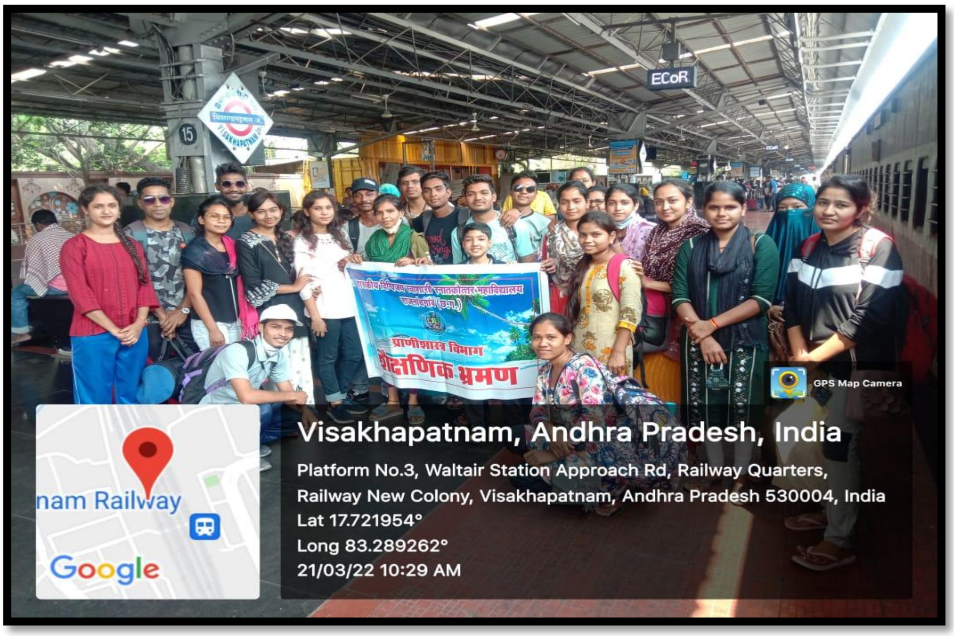
ECoR
प्राणीशास्त्र विभाग
शैक्षणिक भ्रमण
GPS Map Camera
Visakhapatnam, Andhra Pradesh, India
Platform No.3, Waltair Station Approach Rd, Railway Quarters,
Railway New Colony, Visakhapatnam, Andhra Pradesh 530004, India
Lat 17.721954°
Long 83.289262°
21/03/22 10:29 AM
Google

MATSYADARSHINI
MATSYADARSHINI

शैक्षणिक भ्रमण: दिनांक 21.12.2021 को शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के बी.एस.सी मत्स्य एवं मात्सियकी के छात्रों ने प्राचार्य डा. के.एल. टांडेकर के दिशा निर्देशन में कवर्धा के मत्सय एवं मात्सियकी महाविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण के दौरान महा. के विभिन्न विभागों का भ्रमण किया। जिसके अतंर्गत एक्वाकल्चर, फिश रिर्सोसेस, फिश ब्रिडींग, फिश एक्वेरियम और आर्नामेंटल फिशेस प्रमुख थे। इस क्रम में मत्स्य महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. दुष्यंत दामले, डा. नाईटएंजल और डा. बारिक ने छात्रों को फिश कल्चर, फिश ब्रिडींग व एक्वाकल्चर की बारीकयों को विस्तार से बताया और छात्रों के द्वारा पूछे गये प्रश्नो को विस्तार से समझाया।

भ्रमण के दौरान छात्रों ने महाविद्यालय द्वारा विकसीत किये जा रहे फिश फार्म का भी अवलोकन किया एवं चाइनीज हैचरीज के द्वारा फिश ब्रिडींग की प्रक्रिया को विस्तार से समझा। इसके पश्चात छात्रों ने सरोदा बांध में की जा रही केज कल्चर तकनीक के द्वारा मछली पालन और मछली पकड़ने की तकनीक का सूक्ष्मता से अवलोकन किया।

शैक्षणिक भ्रमण की समाप्ति पर प्रसिद्व भोरमदेव मंदिर के दर्शन किये। छात्र मनीष, जतिन और निखील देवांगन ने इस तरह के शैक्षणिक भ्रमण हेतु प्राचार्य और प्राणीशास्त्र के प्राध्यपाकों को धन्यवाद देते हुये प्रसन्न्ता जाहिर की और कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण प्रतिवर्ष होते रहने चाहिये, जिससे छात्रों के पाठयक्रम से संबंधित विषयों के ज्ञान में वृद्धि होती है। तथा विषय से जुडी नयी बातों का पता चलता है। इस भ्रमण में विभाग के प्राध्यापक डॉ. किरण लता दामले एवं डॉ. संजय ठिसके छात्रों के साथ थे।

GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.02711°
Long 81.209996°
21/12/21 12:32 PM
Google

GPS Map Camera
Bendarchi, Chhattisgarh, India
Unnamed Road, Bendarchi, Chhattisgarh
491995, India
Lat 22.021166°
Long 81.193868°
21/12/21 11:30 AM
Google

GPS Map Camera
heries ,
wardha
Google
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.027876°
Long 81.209879°
21/12/21 11:48 AM

CATLA
Pole Culture
GPS Map Camera
Google
Chimra, Chhattisgarh, India
25JW+FVC, Chimra, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.029091°
Long 81.196968°
21/12/21 12:26 PM

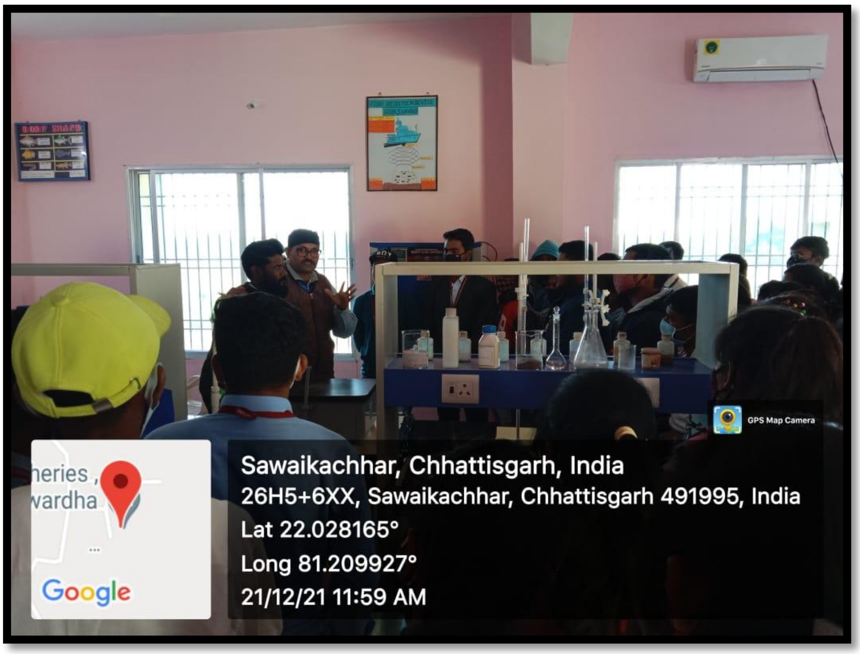
GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.028165°
Long 81.209927°
21/12/21 11:59 AM
Google

Dau Shri Vasudev Chandrakar Kamdhenu Vishwavidyalaya (Durg)
LIVE FISH LABORATORY
College of Fisheries, Kawardha
GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.027298°
Long 81.210011°
21/12/21 12:17 PM
Google

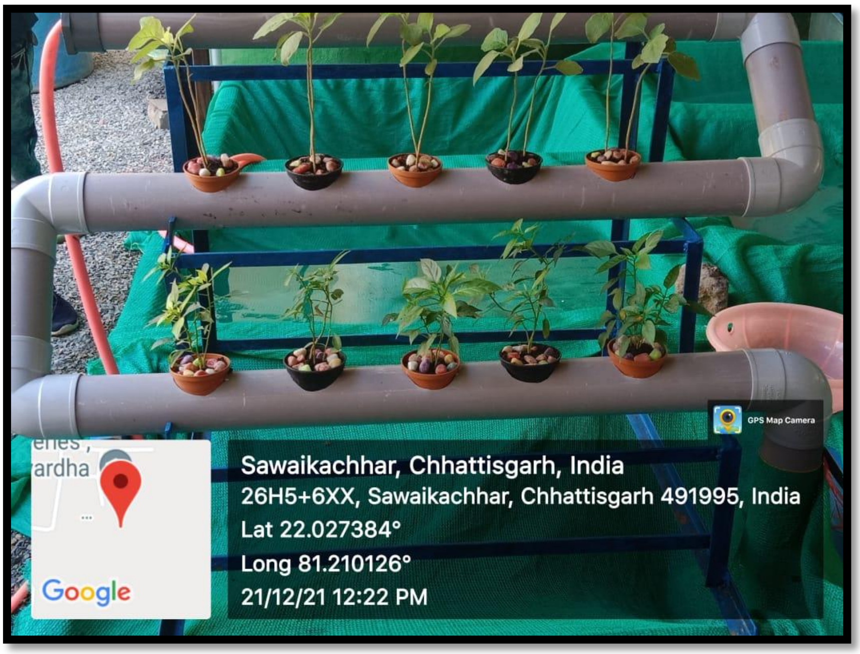
GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.027384°
Long 81.210126°
21/12/21 12:22 PM
Google

PHOTOSYNTHESIS
MICROSCOPE
GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.028276°
Long 81.210075°
21/12/21 12:11 PM
Google

GPS Map Camera
Sawaikachhar, Chhattisgarh, India
26H5+6XX, Sawaikachhar, Chhattisgarh 491995, India
Lat 22.027534°
Long 81.209732°
21/12/21 11:45 AM
Google

GPS Map Camera
Khairbana Kalan, Chhattisgarh, India
Rajnandgaon - Raipur Rd, Khairbana Kalan, Chhattisgarh 491995, India
Lat 21.984929°
Long 81.160606°
21/12/21 01:47 PM
Google

11. भूतपूर्व छात्र सम्मलेन :- दिनांक 26.03.22 को भूतपूर्व छात्रों का ऑनलाइन सम्मलेन आयोजन किया गया । जिसमे विभाग के भूतपूर्व छात्र छात्राए जो शासन प्रशासन में कई प्रमुख पदों पर कार्य कर रहे है ,कुछ सफल व्यवसायी है काफी संख्या में सम्मलित हुए | जिसमे प्रमुख थे प्रो. महेंद्र मेश्राम सहा. प्रा. शा. कमलादेवी राठी कन्या महा. राजनांदगाँव,, प्रो. प्रशान्त कन्नोजे सहा., विभागाध्यक्ष श्रीमती उषा ठाकुर मेडम के उदबोधन के पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बी.एन.मेश्राम ने सम्मलेन में सम्मलित समस्त सभी भूतपूर्व छात्र छात्राओं को धन्यवाद दिया कि वे इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपना समय निकाल कर कार्यक्रम में उपस्थित हुए | डॉ. मेश्राम ने सम्मलित हुए भूतपूर्व छात्रों से महाविद्यालय की एलुमनी परिषद् में पंजीयन की बात कही और इसके अलावा समय-समय पर होने वाली |

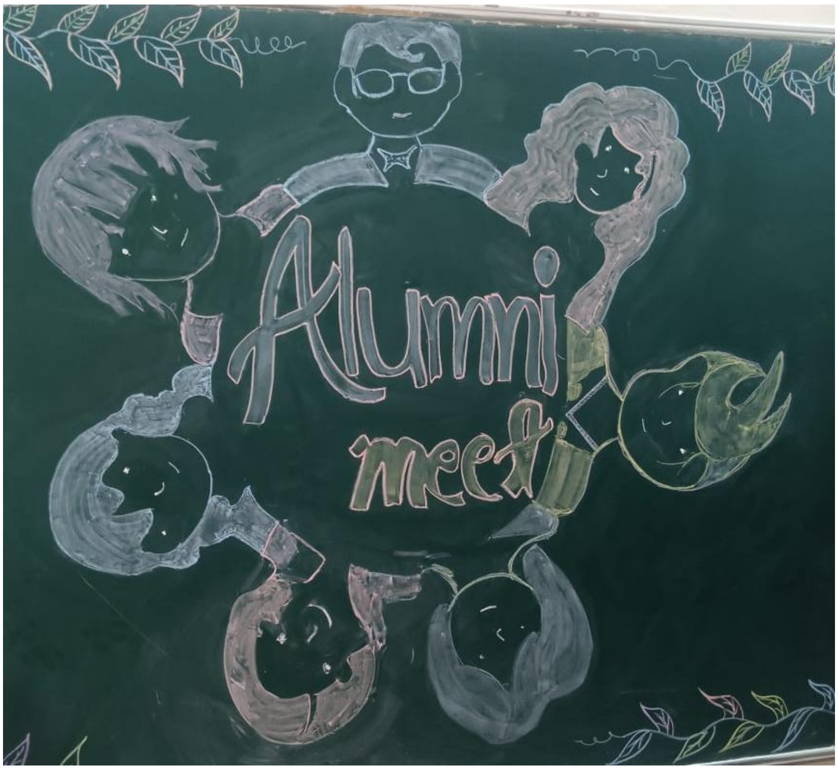
Alumni
meet

प्राणीशास्त्र विभाग
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091567°
Long 81.029861°
26/03/22 04:42 PM
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091592°
Long 81.029899°
26/03/22 05:09 PM
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091576°
Long 81.029864°
26/03/22 03:54 PM
Google

प्राणीशास्त्र विभाग
प्राणीशास्त्र विभाग
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091648°
Long 81.029694°
26/03/22 05:07 PM
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.0916°
Long 81.029897°
26/03/22 04:32 PM
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091594°
Long 81.029885°
26/03/22 04:38 PM
Google
प्राणीशास्त्र विभाग
कार्यक्रम :-

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091636°
Long 81.029933°
26/03/22 04:36 PM
Google
प्राणीशास्त्र विभाग
कार्यक्रम :-

Alumni meet
GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091636°
Long 81.029927°
26/03/22 04:36 PM
Google
कार्यक्रम :-

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091626°
Long 81.029921°
26/03/22 03:55 PM

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091628°
Long 81.029926°
26/03/22 04:47 PM

प्राणीशास्त्र विभाग
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, Indi
Lat 21.091795°
Long 81.029683°
26/03/22 05:21 PM

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh 491441, India
Lat 21.091644°
Long 81.029696°
26/03/22 05:08 PM
Google

GPS Map Camera
Rajnandgaon, Chhattisgarh, India
32RH+JVG, Rajnandgaon, Chhattisgarh
491441, India
Lat 21.091819°
Long 81.030153°
26/03/22 04:40 PM
Google

12. अंर्तराट्रीय जैव विविधता दिवस :– दिनॉक 21.05.2022 को प्राचार्य डॉ. के.एल. टांडेकर के मार्गदर्षन एवं प्राणीषास्त्र विभाग प्राध्यापको के निर्देष के अनुसार पी.जी. के छात्र–छा.ाओं द्वारा जैव विविधता के संरक्षण पर नुक्कड़ नाटक का आयेजन किया गया।

दैनिक भास्कर राजनांदगांव 25-04-2022

भिलाई-राजनांदगांव, सोमवार 25 अप्रैल, 2022 | 16

पक्षियों के संरक्षण के लिए अभियान कृत्रिम घोंसला बनाना सिखाया गया

इसे लगाने का तरीका भी बताया, कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

पक्षियों के संरक्षण के लिए दिग्विजय कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर अभियान के अंतर्गत कृत्रिम घोंसला निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर छात्र-छात्राओं को बताया जा रहा है कि पक्षियों का संरक्षण किस लिए जरूरी है और संरक्षण की दिशा में क्या-क्या काम किए जा सकते हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दी में विद्यार्थियों को पक्षियों के महत्व, इनके संरक्षण की महती आवश्यकता और हमारे जीवन कि निर्भरता को बच्चों के सामने स्पष्ट किया गया।। प्रत्यक्ष प्रस्तुतिकरण द्वारा घोंसले के ढांचे निर्माण की वैज्ञानिक विधि बताई

राजनांदगांव. विद्यार्थियों को घोंसला बनाने की सीख दी गई।

शिक्षकों ने हाथ बंटाया

इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी अपने हाथ बंटाए। जहां 70 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। पूरे प्रशिक्षण कार्य एवं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ संजय ठिसके के साथ एमएससी के स्टूडेंट

दूर हो रहे हैं पक्षी

अभियान के तहत बताया गया कि बदलते मौसम और पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान की वजह से पक्षियों की संख्या कम हो रही है। पहले घरों के आसपास या फिर घर के भीतर में पक्षी घोसला बनाकर रहते थे पर विडंबना है कि

प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा विश्व जैव विविधता दिवस वर्ल्ड बायोडायवर्सिटी-डे मनाया गया

राजनांदगांव (टावा)। शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के प्राणी शास्त्र विभाग द्वारा 22 मई को विश्व जैव विविधता दिवस वर्ल्ड बायोडायवर्सिटी डे मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने कहा की प्राकृतिक संसाधनों पर केवल मनुष्य का ही नहीं, बल्कि सभी जीव जंतुओं का समान रूप से अधिकार है।

अतः वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए संसाधनों के संरक्षण के साथ विकास हो, इसके लिए सस्टेनेबल डेवलपमेंट की अवधारणा ही भविष्य को सुरक्षित सुरक्षित तथा जीव जंतुओं एवं प्रकृति को संरक्षित कर सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राणी शास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. श्रीमती उषा ठाकुर ने विद्यार्थियों को प्रकृति के संरक्षण का महत्व समझाया तथा जानकारी दी की विभाग द्वारा पक्षियों को बचाने हेतु घोसला निर्माण को एक जन अभियान बनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. मजिद अली ने बताया कि प्रकृति का प्रत्येक जीव चाहे वह सुक्ष्म बैक्टीरिया हो या विशाल पेड़ अथवा विशाल जंतु जैसे शेर हाथी व्हेल आदि अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनमें से एक भी जीव के नष्ट होने से इकोसिस्टम का संतुलन बिगड़ जाता है। वाईल्ड लाईफ फंड की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्ष में 3000 से अधिक प्रजातियां नष्ट हो चुकी है। इकोसिस्टम के असंतुलन का सीधा प्रभाव मानव जीवन पर पड़ता है। इस अवसर पर प्राणी शास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों द्वारा हसदेव अरणीय संरक्षण अभियान पर एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

धान सिंह एवं उसके साथियों द्वारा प्रस्तुत नटक में दर्शाया गया कि हसदेव नदी क्षेत्र के वनों की कटाई से लगभग 10,000 वर्ग किलोमीटर के वन तथा वन्यजीवों की हानि होगी। जिससे हाथियों तथा अन्य जीवो का मनुष्यों के साथ संघर्ष पड़ेगा। अंततः हानि पारिस्थितिकी तंत्र को होगी। इस कार्यक्रम में डॉ. किरण लता दामले, डॉ. एचएस भाटिया, डॉ. संजय ठिस्के, चिरंजीव पांडे तथा स्नातकोत्तर के विद्यार्थी उपस्थित थे।

भिलाई-राजनांदगांव, सोमवार 25 अप्रैल, 2022 | 16

पक्षियों के संरक्षण के लिए अभियान कृत्रिम घोंसला बनाना सिखाया गया

इसे लगाने का तरीका भी बताया, कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया जागरूक

भास्कर न्यूज | राजनांदगांव

पक्षियों के संरक्षण के लिए दिग्विजय कॉलेज के प्राणी शास्त्र विभाग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है।

विश्व पृथ्वी दिवस पर अभियान के अंतर्गत कृत्रिम घोंसला निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्रामीण स्तर पर छात्र-छात्राओं को बताया जा रहा है कि पक्षियों का संरक्षण किस लिए जरूरी है और संरक्षण की दिशा में क्या-क्या काम किए जा सकते हैं। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हल्दी में विद्यार्थियों को पक्षियों के महत्व, इनके संरक्षण की महती आवश्यकता और हमारे जीवन कि निर्भरता को बच्चों के सामने स्पष्ट किया गया।। प्रत्यक्ष प्रस्तुतिकरण द्वारा घोंसले के ढांचे निर्माण की वैज्ञानिक विधि बताई गई जो कि पूर्णतः बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट पर आधारित था। यहां सामग्री एकत्र, ढांचा निर्माण से लेकर उसे लगाने तक की पूरी जानकारी दी गई।

राजनांदगांव. विद्यार्थियों को घोंसला बनाने की सीख दी गई।

शिक्षकों ने हाथ बंटाया

इस कार्यक्रम में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी अपने हाथ बंटाए। जहां 70 से अधिक लोगों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। पूरे प्रशिक्षण कार्य एवं कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ संजय ठिसके के साथ एमएससी के स्टूडेंट आरती वर्मा, हेमीन सिन्हा, अरविंद वर्मा, मिथलेश चंद्रवंशी, नीतराम, भूषण कुमार एवं प्रकृति मितान थानसिंह ने किया।

दूर हो रहे हैं पक्षी

अभियान के तहत बताया गया कि बदलते मौसम और पर्यावरण को लगातार हो रहे नुकसान की वजह से पक्षियों की संख्या कम हो रही है। पहले घरों के आसपास या फिर घर के भीतर में पक्षी घोसला बनाकर रहते थे पर विडंबना है कि यह दौर खत्म सा हो गया है। पक्षी हमसे दूर जा रहे हैं, जबकि पक्षियों का मानव जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है।

25/04/2022 07:58

13. **विश्व पर्यावरण दिवस** :– दिनॉक 03.06.2022 से 06.06.2022 तक विष्व पर्यावरण दिवस पर 3 दिवसीय आनलाइन वेबीनार का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि डॉ. अरूणा पल्टा कुलपति हेमचंद यादव विवि दुर्ग एवं विशय विषेशज्ञ डॉ. पी.आर. चंदेलकर, डॉ. आलोक तिवारी , डॉ. एल.पी नागपुरकर , डॉ. संजय ठिसके एवं डॉ. माजिद अली द्वारा व्याख्यान दिया गया।

शास दिग्विजय स्वशासी उच्चतर महाविद्यालय . के प्राणीशास्त्र विभाग, आईक्यूएसी , विज्ञान क्लब एवं पेंचवेली पीजी महाविद्यालय जिला ,परासिया , , छिंदवाड़ा के कोलाबरेशन मेंप्राचार्य डॉ . एल. के . तांडेकर, की प्रेरणा व

संरक्षण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी 03) से (2022 जून 05 का आयोजन" विश्व पर्यावरण दिवस " के अवसर पर किया गया जिसका शीर्षक , "प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास"था।

विश्व पर्यावरण दिवस जैसे दिन को मनाने का उद्देश्य लोगों का ध्यान उस दिन के प्रभावों की ओर आकर्षित करना होता है। पर्यावरण संकट की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और इस संकट के बारे में लोगों को याद दिलाने के लिए पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, और इसी तरह इस वेबिनार का उद्देश्य और लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत के विभिन्न राज्यों से विद्वान जन चिंतन और विचार विमर्श करने के लिए जुड़ें।

उद्घाटन भाषण के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय , दुर्ग की माननीय कुलपति डॉ अरुणा पलटा द्वारा . इस ज्वलंत विषय पर इस राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी के माध्यम से जागरूकता के लिए दिग्विजय कॉलेज की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। इसके बाद श्रीमती उषा ठाकुर विभागाध्याक्ष प्राणिशास्त्र द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। तत्पश्चात माननीय प्राचार्य डॉ .के .एल. टांडेकर ने शुभकामनाएं दीं। मुख्य भाषण में डॉ पंजाब राव चंदेलकर ., प्राचार्य शास . पेंचवेली पीजी महाविद्यालय परासिया , जिला छिंदवाड़ा ने जैव विविधता के बारे में बताया, और जैव विविधता में विलुप्त होने वाले प्राणियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

श्री आलोक तिवारी .एफ.एस.डी (.एस.पी.आई) , अरण्य भवन, अटल नगर, नवा रायपुर नें जल के स्रोत, उपयोग, वनों की कटाई और इसके संरक्षण सहित जल संरक्षण विषय पर चर्चा की।

डॉ नागपुरकर ने टिकाऊ भविष्य के लिए अनुकूलन और प्रवासन .पी.एल . पहल के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और चिंता पर बहुमूल्य बातचीत की । उन्होंने टिकाऊ भविष्य के लिए जलवायु परिवर्तन पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने भविष्य में स्थिरता को बदलने के लिए लक्ष्यों और सात संचालन सिद्धांतों के बारे में चर्चा 17 की। निश्चित रूप से ग्लोबल वार्मिंग खाद्य स्थिरता और भोजन के उत्पादन को प्रभावित करती है, इस प्रकार जनसंख्या, समाज और मानव विविधता की स्थिरता को प्रभावित करती है, जिसके अभाव में वन्यजीव अपराध बढ़ रहा है।

डॉ संजय ठीसके ने 'पर्यावरण संरक्षण' के बारे में अपने विचार साझा किए। वह पर्यावरण को प्रभावित करने वाली विभिन्न समस्याओं सहित ग्लोबल वार्मिंग , जैव विविधता असंतुलन, पशु मानव अनुपात, वनों की कटाई, शहरीकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में बात की।

डॉ माजिद अली ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम .1972 पेश किया एवं इसकी जरुरत और कार्यान्वयन पर विस्तार पूरक चर्चा की। मंच संचालन मे डॉ . किरण लता दामले संजय ठीसके एवं डॉ .डॉ ,माजिद अली का योगदान रहा।

इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी को सफल बनाने में महाविद्यालय की तकनीकी टीम के श्री आशीष मांडले व श्री नादिर इकबाल ने तकनीकी समर्थन दिया। गोकुल निषाद, रसायन विज्ञान संकाय, श्री चिरंजीव पांडे, प्राणी विज्ञान संकाय, और प्राणीशास्त्र के एम.एस.सी. के छात्र ,एन.सी.सी. कैडेट ने इस वेबिनार को सफल बनाने के लिए अपनी सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग दिया।

भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग से अधिक 600 के प्रतिनिधी, जिसमे जम्मू, महाराष्ट्र ,मध्य प्रदेश, कर्नाटक, यूपी, मिजोरम और मेघालय , और छत्तीसगढ़ के आंतरिक क्षेत्र से वेबिनार में पंजीकृत हुए। औसत 75प्रतिनिधी यूट्यूब चैनल से लाइव जुड़ें। टीम के सभी सदस्यों –शिक्षकों, छात्रों, आयोजकों ने इसे संभव बनाने के लिए, उनके प्रयास और कड़ी मेहनत कर इस वेबिनार को सार्थक बनाया।

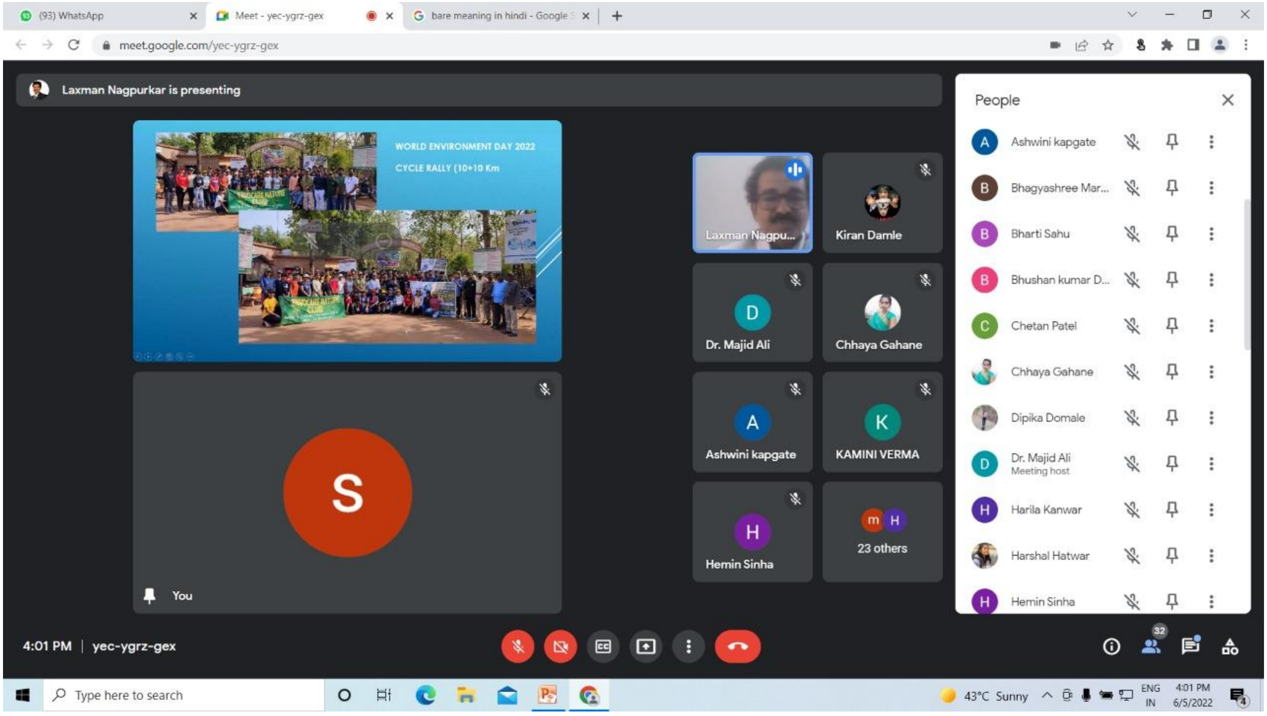
Laxman Nagpurkar is presenting
WORLD ENVIRONMENT DAY 2022
CYCLE RALLY (10+10 Km
Laxman Nagpu...
Kiran Damle
Dr. Majid Ali
Chhaya Gahane
Ashwini kapgate
KAMINI VERMA
Hemin Sinha
23 others
You
4:01 PM | yec-ygrz-gex
People
Ashwini kapgate
Bhagyashree Mar...
Bharti Sahu
Bhushan kumar D...
Chetan Patel
Chhaya Gahane
Dipika Domale
Dr. Majid Ali
Meeting host
Harila Kanwar
Harshal Hatwar
Hemin Sinha
meet.google.com/yec-ygrz-gex
Type here to search
43°C Sunny
4:01 PM
6/5/2022

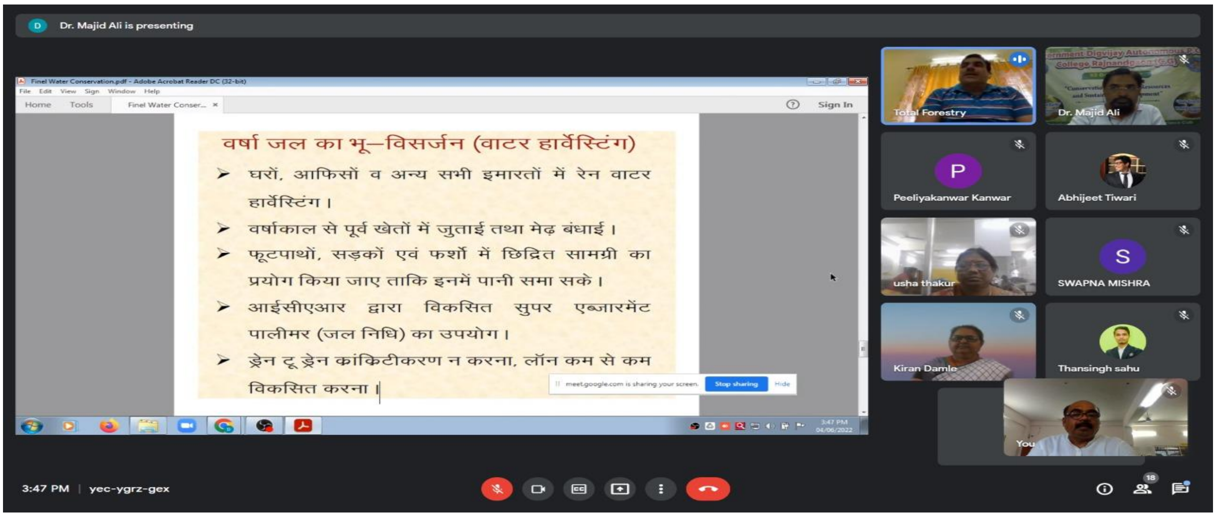
Dr. Majid Ali is presenting
वर्षा जल का भू–विसर्जन (वाटर हार्वेस्टिंग)
घरों, आफिसों व अन्य सभी इमारतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग।
वर्षाकाल से पूर्व खेतों में जुताई तथा मेढ़ बंधाई।
फूटपाथों, सड़कों एवं फर्शों में छिद्रित सामग्री का प्रयोग किया जाए ताकि इनमें पानी समा सके।
आईसीएआर द्वारा विकसित सुपर एब्जारमेंट पालीमर (जल निधि) का उपयोग।
ड्रेन टू ड्रेन कांक्रिटीकरण न करना, लॉन कम से कम विकसित करना।
Total Forestry
Dr. Majid Ali
Peeliyakanwar Kanwar
Abhijeet Tiwari
usha thakur
SWAPNA MISHRA
Kiran Damle
Thansingh sahu
You
3:47 PM | yec-ygrz-gex

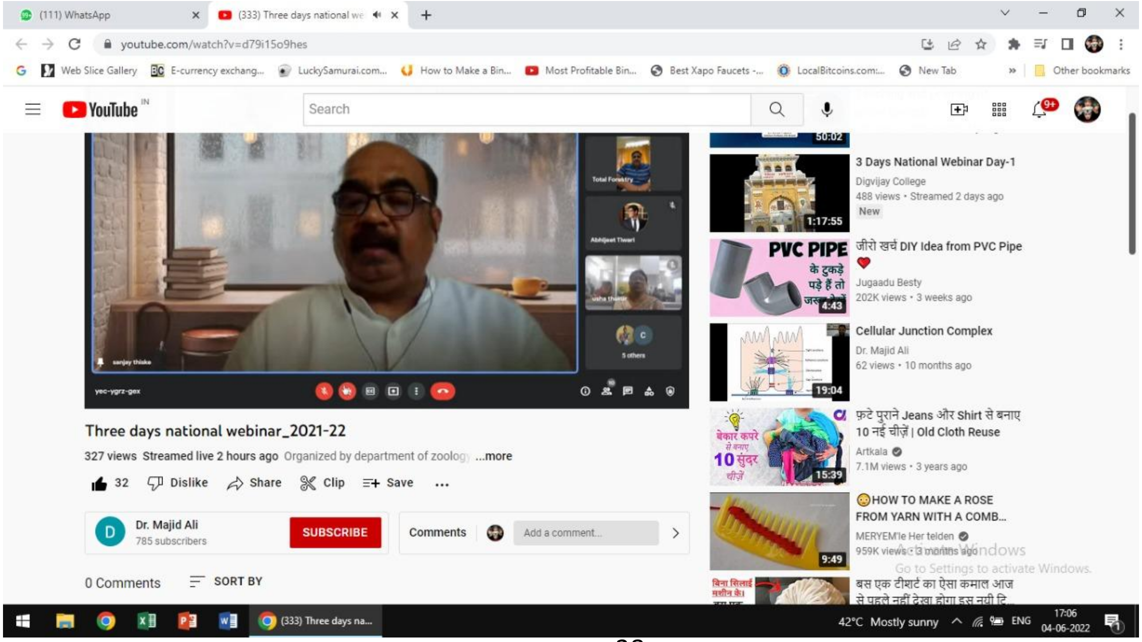
youtube.com/watch?v=d79i15o9hes
Three days national webinar_2021-22
327 views Streamed live 2 hours ago Organized by department of zoology ...more
32 Dislike Share Clip Save
Dr. Majid Ali
785 subscribers
SUBSCRIBE
Comments
Add a comment...
0 Comments
SORT BY
3 Days National Webinar Day-1
Digvijay College
488 views • Streamed 2 days ago
Cellular Junction Complex
Dr. Majid Ali
62 views • 10 months ago
42°C Mostly sunny
17:06
04-06-2022

(115) WhatsApp
Meet - yec-ygrz-gex
meet.google.com/yec-ygrz-gex
College Rajnandgaon (C.G)
"Cons al Resources
and elopment"
"Only One Earth"
World Environment day
2022
Dr. Majid Ali
sanjay thiske
usha thakur
18 others
4:23 PM | yec-ygrz-gex
Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.
43°C Mostly sunny
16:23
05-06-2022

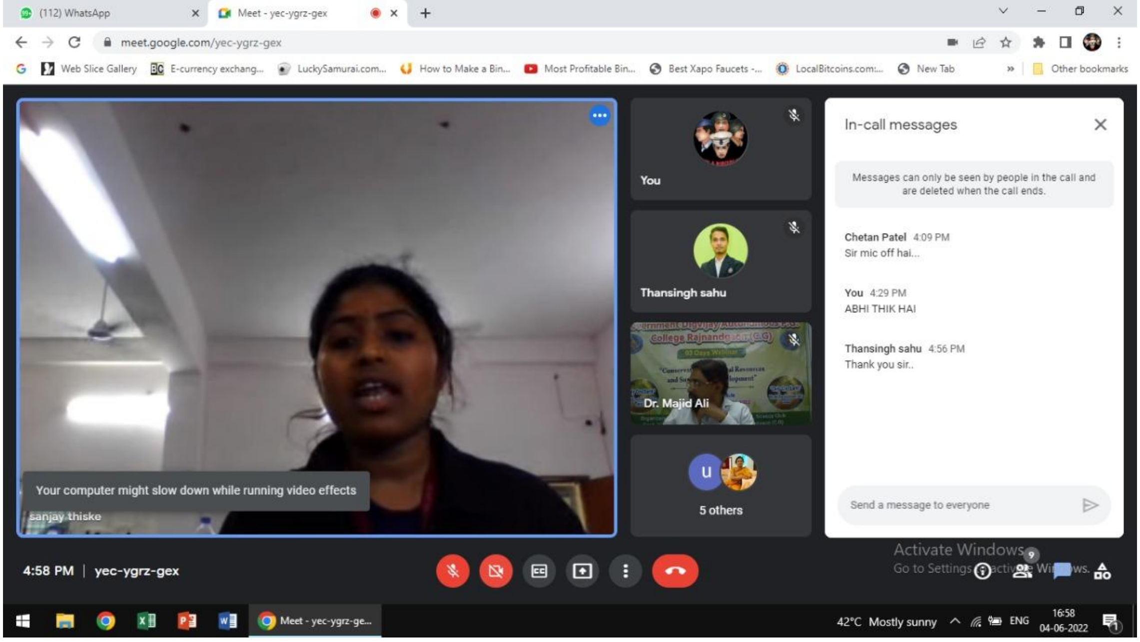
(112) WhatsApp
Meet - yec-ygrz-gex
meet.google.com/yec-ygrz-gex
Your computer might slow down while running video effects
sanjay thiske
You
Thansingh sahu
Dr. Majid Ali
5 others
In-call messages
Messages can only be seen by people in the call and are deleted when the call ends.
Chetan Patel 4:09 PM
Sir mic off hai...
You 4:29 PM
ABHI THIK HAI
Thansingh sahu 4:56 PM
Thank you sir..
Send a message to everyone
4:58 PM | yec-ygrz-gex
Activate Windows
42°C Mostly sunny
16:58
04-06-2022

राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन | प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास की थीम पर किया गया आयोजन

ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता सहित विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

विश्व पर्यावरण दिवस को मनाने का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है। पर्यावरण संकट की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करने और इस संकट के बारे में लोगों को याद दिलाने के लिए पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजनांदगांव. शासकीय दिग्विजय स्वशासी उच्चतर महाविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग, आईक्यूएसी, विज्ञान क्लब एवं पेंचवेली पीजी महाविद्यालय, परासिया, जिला छिंदवाड़ा के कोलाबरेशन में प्राचार्य डॉ. केएल तांडेकर की प्रेरणा व संरक्षण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास थीम पर यह वेबिनार आयोजित की गई। मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ. अरूणा पलटा द्वारा इस ज्वलंत विषय पर इस राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी के माध्यम से जागरूकता के लिए दिग्विजय कॉलेज की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। उषा ठाकुर विभागाध्यक्ष प्राणीशास्त्र द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। प्राचार्य डॉ. केएल टांडेकर ने शुभकामनाएं दी।

मुख्य भाषण में डॉ. पंजाब राव चंदेलकर, प्राचार्य शासकीय पेंचवेली पीजी महाविद्यालय परासिया, जिला छिंदवाड़ा ने जैव विविधता के बारे में बताया और जैव विविधता में विलुप्त होने वाले प्राणियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। आलोक तिवारी (आईपीएस) डीएसएफ नवा रायपुर ने जल के स्रोत, उपयोग, वनों की कटाई और इसके संरक्षण सहित जल संरक्षण विषय पर चर्चा की। डॉ. एलपी नागपुरकर ने टिकाऊ भविष्य के लिए अनुकूलन और प्रवासन पहल के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और चिंता पर बहुमूल्य बातचीत की। उन्होंने भविष्य में स्थिरता को बदलने के लिए 17 लक्ष्यों और सात संचालन सिद्धांतों के बारे में चर्चा की।

600 से अधिक प्रतिनिधि पंजीकृत

इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी को सफल बनाने में महाविद्यालय की तकनीकी टीम के आशीष मांडले व नादिर इकबाल ने तकनीकी समर्थन दिया। गोकुल निषाद, रसायन विज्ञान संकाय, चिरंजीव पांडे, प्राणी विज्ञान संकाय और प्राणीशास्त्र के एमएससी के छात्र, एनसीसी कैडेट ने इस वेबिनार को सफल बनाने के लिए अपनी सक्रिय भागीदारी एवं सहयोग दिया। भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 600 से अधिक के प्रतिनिधि, जिसमें जम्मू, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, यूपी, मिजोरम और मेघालय, और छत्तीसगढ़ के आंतरिक क्षेत्र से वेबिनार में पंजीकृत हुए। औसत 75 प्रतिनिधि यूट्यूब चैनल से लाइव जुड़ें। टीम के शिक्षकों, छात्रों, आयोजकों ने इसे संभव बनाने के लिए, उनके प्रयास और कड़ी मेहनत कर इस वेबिनार को सार्थक बनाया।

पशु-मानव अनुपात पर चर्चा

डॉ. संजय ठिसके ने पर्यावरण संरक्षण के बारे में अपने विचार साझा किए। वह पर्यावरण को प्रभावित करने वाली विभिन्न समस्याओं सहित ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता असंतुलन, पशु मानव अनुपात, वनों की कटाई, शहरीकरण के विभिन्न पहलुओं के बारे में बात की।

14. मार्गदर्शन :

- प्रो. श्रीमती उषा ठाकुर के द्वार मत्स्य पालन एवं मछलियों में होने वाले रोगों की जानकारी प्रदान कि जाती है।
- मेजर श्रीमती किरण लता दामले द्वार छात्र छात्राओं को एन.सी.सी. के फायदों के बारे में जानकारी प्रदान कि जाती है
- डा संजय ठिसके द्वारा छात्र छात्राओं को रोजगार के क्षेत्र में सफलता कैसे हासिल करे इस बारें में समय समय पर जानकारी दि जाती है
- डा. माजिद अली के द्वार जल परिक्षण की विस्तृत जानकारी प्रदान करे।

12. सवश्रेष्ठ प्रणलियां

वाल मैग्जीन : इस मैग्जिन का प्रकाशन केवल पी.जी. कक्षा के विद्यार्थियों के द्वारा किया जाता है जिसके अंतर्गत छात्र छात्राएं प्रतिदिन समाचार पत्रों में छपी प्राणीषास्त्र से सबंधित विभिन्न रोचक खबरों की पेपर कंटिग्स को इस मैग्जीन में प्रर्दर्षित करते है। जिसका फायदा न केवल एम.एस.सी के छात्रों को मिलता बल्की बी.एस.सी. के छात्र जो प्रायोगिक कार्य करने विभाग में आते है वे इन खबरों को देखते है और उनके ज्ञान में वृद्धि होती है।

13. मार्गदर्शन :––

- **प्रो.श्रीमती उषा ठाकुर मत्स्य पालन एवं मछलियों में होने वाले रोगों की जानकारी दी जाती है |**
- **मेजर डॉ. श्रीमती किरण लता दामले द्वारा छात्राओं को एन.सी.सी. की जानकारी दी जाती है |**
- **डॉ. संजय ठिसके एवं डॉ माजिद अली द्वारा जल विशलेषण की जानकारी दी जाती है |**

- **अधोसंरचना संसाधन :-** विभाग के विधार्थीयो की ई-क्लास ,स्मार्ट क्लास, ऑडियो विज्युअल तथा इंटरैक्टिव बोर्ड द्वारा कक्षाए ली जाती है | विभाग में पूर्ण सुविधायुक्त डिग्री लैब तथा पी.जी.क्लास के साथ लैब, एक स्टाफ रूम, स्टोररूम सेमिनार हॉल व टेकनीशियन कक्ष है |
- महाविधायालय द्वारा दी गयी सुविधाओ का रख रखाव :- प्रतिवर्ष विभाग का भोतिक सत्यापन किया जाता है |

14. **विभागीय उपलब्धियॉ**

1. 28.02.2022 को विज्ञान दिवस पर पोस्टर प्रदर्शनी प्रतियोगिता मे एम.एस.सी. पूर्व के विद्यार्थी थानसिंह वर्मा ने पोस्टर प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं विभागीय सेमीनार मे तात्कालिक भाषण मे तृतीय स्थान प्राप्त किया।
2. सत्र् 2020–21 मे विभाग के 06 भूतपूर्व विद्यार्थियो का चयन लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहा. प्राध्यापक पद पर चयन हुआ।
   - श्री चिरंजीव पांडे
   - श्रीमती करुणा रावटे
   - इवराज जंधेल
   - नीलेश कुमार धलेंद्र
   - गोपाल प्रसाद चंद्रवंशी
   - सुषमा दीवान
3. NET 2020 परीक्षा को विभाग के 01 भूतपूर्व विद्यार्थी सुरभी वाघमारे ने उत्तीर्ण किया।